

FOR Mr. V.P. CHAUDHARI
TAXATION OFFICER
NAGAR PALICAM

उत्तर प्रदेश शासन
नगर विकास अनुभाग-9
संख्या-1308/नौ-3-1999
लखनऊ : दिनांक : 13 मई, 1999
कार्यालय-ज्ञाप

उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम-1959 के अध्याय-9 में विभिन्न प्रकार के करों के अधिरोपण की व्यवस्था है। इनके अध्याय की धारा-221 (3) में प्रदेश सरकार को यह अधिकार है कि प्रदेश सरकार किसी श्रेणी विशेष के व्यक्ति को नगर निगम के करों की देयता से मुक्त कर सकती है। देश की सुरक्षा में लगे सैन्य कर्मियों को नगर निगमों के करों की देयता से मुक्ति प्रदान करने से संबंधित प्रत्यावेदन प्राप्त हुआ है। इस प्रत्यावेदन पर सन्धक विधायकमन्त्री निम्नानुसार कार्यवाही करने के निर्देश सनत्त नगर निगमों को प्रसारित किये जा रहे हैं :-

- (क) देश की सुरक्षा में लगे सैन्य कर्मियों की विधवाओं के हितों के आवासीय नदम जिनमें वे स्वयं निवास कर रहे हैं, गृहकर से मुक्त रहेंगे।
- (ख) उपरोक्त "क" के अनुसार गृहकर से मुक्ति प्रदान करने का अधिकार नगर निगम के संबंधित मुख्य नगर अधिकारी का होगा। मुख्य नगर अधिकारी गृहकर से मुक्ति प्रदान करने के संबंध में प्राप्त प्रत्यावेदनों पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी की आस्था प्राप्त कर तथा सन्तुष्ट होतें हुए गृहकर से मुक्ति प्रदान करेंगे।
- (ग) उपरोक्तानुसार केवल गृहकर से मुक्ति प्रदान की जा रही अर्थात् जलकर, सीवर कर या अन्य धार्जज पूर्व की नौति देय होंगे।

2- उपरोक्तानुसार कार्यवाही सनत्त नगर निगमों द्वारा सुनिश्चित की जायेगी। यह आदेश उत्तर प्रदेश नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा-221 (3) के तहत प्रदेश सरकार द्वारा जारी किये जा रहे हैं।

हय/

(राजीव कुमार)
विशेष सचिव